

## मोहनलाल तुलस्यान अध्यक्ष बने झुंझुनू प्रगति संघ कोलकाता के

माई झुंझुनू। कोलकाता में झुंझुनू के प्रवासियों की संस्था झुंझुनू प्रगति संघ कोलकाता की वर्ष 2008-09 की नई कार्यकारिणी का गठन दिनों प्रगति संघ के स्वयं के भवन में आयोजित समारोह में सर्वसम्मति से हुआ। जिसमें मोहनलाल तुलस्यान को अध्यक्ष, संदीप खण्डेलिया

### चावो दादी विद्या कुंज में निबन्ध प्रतियोगिता

माई झुंझुनू। चावो दादी विद्याकुंज में गुरुवार को सुबह अंग्रेजी में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य पूर्णसिंह सैनी के अनुसार पुष्पादेवी खेतान फाउंडेशन ट्रस्ट मुम्बई के सौजन्य से आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता का विषय हाऊ नोइज पोल्यूशन कैन किल यू रखा गया था। प्रतियोगिता के लिए शहर कि 15 स्कूलों से तीन तीन विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया जिसमें पहले तीन स्थानों पर रहने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये।

### पालिकाध्यक्ष श्रीमती टीबड़ा ने बांटी रजाइया

माई झुंझुनू। महर्षि दयानन्द बालिका विज्ञान महाविद्यालय में असहाय निर्धन जरूरतमंदों को रजाइयां वितरित की गयी। पालिकाध्यक्ष श्रीमती भारती टीबड़ा ने बनवारीलाल केडिया द्वारा प्रदत्त 60 रजाइयां वितरित की गयी। इस अवसर पर महर्षि दयानन्द शिक्षण संस्थान के महासचिव ताराचन्द गुप्ता, सह सचिव एडवोकेट सतीशचन्द्र कुलहरि, उपाध्यक्ष हरिसिंह, भागीरथ सिंह महला, प्राचार्य रामस्वरूप जाखड़ सहित अन्यजन उपस्थित थे।

### राहुल जालान सीए बने



माई झुंझुनू। झुंझुनू की प्रतिष्ठित फर्म शिव कुमार भवनीशंकर जालान ने नारायणप्रसाद जालान के सुपुत्र राहुल ने 21 वर्ष की उम्र में प्रथम बार में सीए परीक्षा पास कर परिवार एवं समाज का नाम रोशन किया है। राहुल जालान ने इस शानदार उपलब्धि के साथ सफलता का श्रेय अपने बड़े भाई विशाल एवं भाभी बिन्दु सूरत प्रवासी को दिया है।

राहुल की माताजी संतोष देवी इस सफलता का श्रेय श्री राणी सती दादी की असीम अनुकम्पा को देते हुए कहती हैं कि कुलदेवी श्रीराणी सती की कृपा से ही बेटे राहुल ने सीए परीक्षा में सफलता का सोपान रचा है। विदित है कि राहुल के बड़े भाई विपिन ने पिछले वर्ष एककाम परीक्षा में राजस्थान टॉप किया था। राहुल की सफलता पर जालान परिवार में हर्ष का माहौल है। हमारी राहुल को बहुत बहुत बधाई।

## जमीन पर नाजायज रूप से काबिज लोगों को हटाया जाएगा-सुन्दरलाल

झुंझुनू, एक जनवरी। प्रदेश में अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों की जमीन पर नाजायज रूप से काबिज अन्य लोगों को बे-दखल किया जाएगा। इसी प्रकार अ.जा. ज.जा. के नाम से भूमि खरीद कर जमीनों का अवैध ध्वसा करने वालों पर भी अंकुश लगाया जाएगा।

यह जानकारी राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष सुन्दर लाल ने मंगलवार को यहां सफिकेट हाउस में पत्रकारों से अनौपचारिक बात करते हुए दी। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों पर वे जल्दी ही जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेंगे। इससे पूर्व झुंझुनू नगरपालिका कार्यालय परिसर में आयोजित स्वागत समारोह में आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि वे इस नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी ईमानदारी और बिना किसी लाग लपेट के करेंगे। उन्होंने झुंझुनू शहर से निकलने वाली

को सचिव तथा पीपी टीबड़ेवाला को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसी क्रम में भवन के विकास कमेटी का चेयरमैन श्री कृष्ण खेतान को



बनाया गया। सचिव खण्डेलिया के अनुसार प्रगति संघ कोलकाता द्वारा सेवा के क्षेत्र में 20 जनवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया है।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में झुंझुनू प्रगति संघ कोलकाता विकास के नये आयाम स्थापित करेगा।

रंग का सिद्धांत- उच्चारण और मन ये चार मुख्य बातें हैं। रंग का हमारे चिन्तन और जीवन के साथ गहरा सम्बंध है। रंग हमारे मन व शरीर को प्रभावित करता है। कलरथैरेपी आज चल रही है। एक दिव्य किरण चिकित्सा है। रंग और सूर्य की किरण दोनों के साथ इसका सम्बंध है। रंग हमारे शरीर और मन को विविध प्रकार से प्रभावित करता है। उससे रोग मिटते हैं, चाहे वे रोग ही या मानसिक। मानसिक रोग चिकित्सा में भी रंग का विशिष्ट स्थान है। रंग थोड़ा सा विकृत हुआ, आदमी पागल हो जाता है। रंग की पूर्ति से आदमी स्वस्थ हो जाता है। कलर थैरेपी का यह सिद्धांत है कि बीमारी के कोई कोटापु नहीं होते। रंग की कमी के कारण बीमारी होती है। जिस रंग की कमी हुई उस रंग की पूर्ति कर दो। बीमारी मिट जायेगी। आदमी स्वस्थ हो जायेगा। इस प्रकार हमारे शास्त्रों में सूर्य नमस्कार करना, अर्घ्य देना हमारी परम्पराओं में है। बाल सूर्य से त्राटक करने से आँखों की प्रत्येक बीमारी मिट जाती है। ज्ञान, मेधा शक्ति व तेजस्विता की वृद्धि होती है। धी में दीपक से महक करना अति उपयोगी व लाभदायक है। आँखों की रोगशो बढती है। एकाग्रता बढती है। चित्त शांत होता है। शारीरिक व मानसिक व्याधियां मिट जाती हैं।

जिसने सूक्ष्म जात में प्रवेश किया, जिसका सूक्ष्म जगत के साथ सम्पर्क स्थापित हो गया, उसे विचित्र प्रकार की दुनिया दिखाई देने लग जाती है। कभी-कभी ध्यान में इस प्रकार के रंगों का दर्शन होता है कि वैसे रंग इस दुनिया में कभी नहीं मिलते। शायद कभी बाहरी दुनिया में इन स्थूल आँखों से वैसे रंगों को देखने का स्वप्न भी नहीं ले सकते। इस प्रकार अनेक ध्वनियों भी जो यहाँ कभी सुनने को भी नहीं मिल सकती हैं। हमारे अपन मस्तिष्क में ऐसे यन्त्र हैं, जिनसे सूक्ष्म बातों को भी सुन सकते हैं। ये न कोई चमत्कार है, न कोई प्रदर्शन यह केवल सूक्ष्म जगत में प्रवेश करने का एक प्रयोग है। प्राण व मन को सुषुम्ना में ले जाने की एक विधि है।

**मन्त्रशास्त्र और रंग** - मंत्रों के जितने कल्प हैं, उनके साथ रंगों का सम्बंध है। आँकारकल्प, द्विकल्प, अर्द्धकल्प, नमस्कार महामन्त्रकल्प सबके साथ रंग जुड़े हुए हैं। नमस्कार महामंत्र के पाँच पद

मंत्र	चैतन्य केन्द्र	रंग
1. पामो अरहताणं	शांतिकेन्द्र-नालू	श्वेत
2. पामो सिद्धाणं	ज्ञान केन्द्र-सिर का चोटी वाला भाग	अरुण
3. पामो आयरिणाणं	विशुद्धिकेन्द्र-गला	पीला
4. पामो उवञ्जायाणं	आनन्दकेन्द्र-सोने के मध्य	हरा
5. पामो लोए सव्वसाहणं	वैजस केन्द्र- नाभी	नीला

1. शांति व पवित्रता के लिए श्वेत रंग प्रभावशाली होता है। 2. सक्रियता और स्फूर्ति के लिए लाल रंग प्रभावशाली होता है। 3. बौद्धिक विकास और भावना शुद्धि के लिए पीला रंग प्रभावशाली रहता है। 4. हरा रंग विषाहकार होता है। 5. नीला रंग आध्यात्म विकास का प्रेरक है। रंगों का शरीर पर प्रभाव :- लाल रंग- स्नायुमण्डल को स्फूर्ति देता है। नीला- स्नायुविक दुर्बलता, धातुक्षय, स्वप्नदोष में लाभ पहुंचाता है तथा हृदय व मस्तिष्क को शक्ति देता है। पीला- मस्तिष्क की शक्ति का विकास, कब्ज, यकृत और प्लीहा के रंगों को शांत करने में उपयोगी हरा- ज्ञान तनुओं और स्नायुमण्डल को बल देता है गहरा नीला- गर्मी की अधिकता से होने वाले आमशय सम्बंधी रोगों के उपशमन में उपयोगी शुभ्र- नौद के लिए उपयोगी होता है। नारंगी- दमा तथा वात व्याधियों के रोगों को मिटाने में उपयोगी बैंगनी- शरीर के तापमान को कम करने में उपयोगी। विभिन्न रंगों के पानी तेल खाद्य पदार्थों को बनाने की विधि निःशुल्क प्रत्येक रविवार को 6 बजे 7 बजे तक सुबह लेखक द्वारा सीखें। अग्रसेन भवन झुंझुनू, आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला-योग प्रा.चिकित्सा

## कमियों को दूर करने के प्रयास करें- मुकुट शाह

माई झुंझुनू। राजकीय महाविद्यालय खेतड़ी में अर्थशास्त्र विषय पर आयोजित सेमीनार को सम्बोधित करते हुए प्रसिद्ध अर्थशास्त्री व मुम्बई के उद्योगपति शाह अस्पताल के मुकुट बिहारी शाह ने कहा कि भारत को विश्व की सिरमौर शक्ति बनने के लिए अपनी शक्तियां पहचानकर कमियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्य केन्द्र शहरी क्षेत्र रहा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका नगण्य रही है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों को भी देश के विकास में योगदान देने के लिए आगे आना चाहिए। इस दौरान प्राचार्य प्रताप सिंह मिठारखाल, प्रो. एन के बढाना, सत्यनारायण शाह, सहित अन्यजन उपस्थित थे।

## रंग का सिद्धांत- आचार्य हरिसिंह रोहिला



रंग का सिद्धांत, उच्चारण और मन ये चार मुख्य बातें हैं। रंग का हमारे चिन्तन और जीवन के साथ गहरा सम्बंध है। रंग हमारे मन व शरीर को प्रभावित करता है। कलरथैरेपी आज चल रही है। एक दिव्य किरण चिकित्सा है। रंग और सूर्य की किरण दोनों के साथ इसका सम्बंध है। रंग हमारे शरीर और मन को विविध प्रकार से प्रभावित करता है। उससे रोग मिटते हैं, चाहे वे रोग ही या मानसिक। मानसिक रोग चिकित्सा में भी रंग का विशिष्ट स्थान है। रंग थोड़ा सा विकृत हुआ, आदमी पागल हो जाता है। रंग की पूर्ति से आदमी स्वस्थ हो जाता है। कलर थैरेपी का यह सिद्धांत है कि बीमारी के कोई कोटापु नहीं होते। रंग की कमी के कारण बीमारी होती है। जिस रंग की कमी हुई उस रंग की पूर्ति कर दो। बीमारी मिट जायेगी। आदमी स्वस्थ हो जायेगा। इस प्रकार हमारे शास्त्रों में सूर्य नमस्कार करना, अर्घ्य देना हमारी परम्पराओं में है। बाल सूर्य से त्राटक करने से आँखों की प्रत्येक बीमारी मिट जाती है। ज्ञान, मेधा शक्ति व तेजस्विता की वृद्धि होती है। धी में दीपक से महक करना अति उपयोगी व लाभदायक है। आँखों की रोगशो बढती है। एकाग्रता बढती है। चित्त शांत होता है। शारीरिक व मानसिक व्याधियां मिट जाती हैं।

जिसने सूक्ष्म जात में प्रवेश किया, जिसका सूक्ष्म जगत के साथ सम्पर्क स्थापित हो गया, उसे विचित्र प्रकार की दुनिया दिखाई देने लग जाती है। कभी-कभी ध्यान में इस प्रकार के रंगों का दर्शन होता है कि वैसे रंग इस दुनिया में कभी नहीं मिलते। शायद कभी बाहरी दुनिया में इन स्थूल आँखों से वैसे रंगों को देखने का स्वप्न भी नहीं ले सकते। इस प्रकार अनेक ध्वनियों भी जो यहाँ कभी सुनने को भी नहीं मिल सकती हैं। हमारे अपन मस्तिष्क में ऐसे यन्त्र हैं, जिनसे सूक्ष्म बातों को भी सुन सकते हैं। ये न कोई चमत्कार है, न कोई प्रदर्शन यह केवल सूक्ष्म जगत में प्रवेश करने का एक प्रयोग है। प्राण व मन को सुषुम्ना में ले जाने की एक विधि है।

**मन्त्रशास्त्र और रंग** - मंत्रों के जितने कल्प हैं, उनके साथ रंगों का सम्बंध है। आँकारकल्प, द्विकल्प, अर्द्धकल्प, नमस्कार महामन्त्रकल्प सबके साथ रंग जुड़े हुए हैं। नमस्कार महामंत्र के पाँच पद

मंत्र	चैतन्य केन्द्र	रंग
1. पामो अरहताणं	शांतिकेन्द्र-नालू	श्वेत
2. पामो सिद्धाणं	ज्ञान केन्द्र-सिर का चोटी वाला भाग	अरुण
3. पामो आयरिणाणं	विशुद्धिकेन्द्र-गला	पीला
4. पामो उवञ्जायाणं	आनन्दकेन्द्र-सोने के मध्य	हरा
5. पामो लोए सव्वसाहणं	वैजस केन्द्र- नाभी	नीला

1. शांति व पवित्रता के लिए श्वेत रंग प्रभावशाली होता है। 2. सक्रियता और स्फूर्ति के लिए लाल रंग प्रभावशाली होता है। 3. बौद्धिक विकास और भावना शुद्धि के लिए पीला रंग प्रभावशाली रहता है। 4. हरा रंग विषाहकार होता है। 5. नीला रंग आध्यात्म विकास का प्रेरक है। रंगों का शरीर पर प्रभाव :- लाल रंग- स्नायुमण्डल को स्फूर्ति देता है। नीला- स्नायुविक दुर्बलता, धातुक्षय, स्वप्नदोष में लाभ पहुंचाता है तथा हृदय व मस्तिष्क को शक्ति देता है। पीला- मस्तिष्क की शक्ति का विकास, कब्ज, यकृत और प्लीहा के रंगों को शांत करने में उपयोगी हरा- ज्ञान तनुओं और स्नायुमण्डल को बल देता है गहरा नीला- गर्मी की अधिकता से होने वाले आमशय सम्बंधी रोगों के उपशमन में उपयोगी शुभ्र- नौद के लिए उपयोगी होता है। नारंगी- दमा तथा वात व्याधियों के रोगों को मिटाने में उपयोगी बैंगनी- शरीर के तापमान को कम करने में उपयोगी। विभिन्न रंगों के पानी तेल खाद्य पदार्थों को बनाने की विधि निःशुल्क प्रत्येक रविवार को 6 बजे 7 बजे तक सुबह लेखक द्वारा सीखें। अग्रसेन भवन झुंझुनू, आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला-योग प्रा.चिकित्सा

को मारवाड़ी युवा मंच के तीन दिवसीय लघु राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र में आयोग के अध्यक्ष सुन्दरलाल ने कहा कि समाज के सम्पन्न लोगों को जरूरतमंदों की सेवा करके पुण्य अर्जित करना चाहिए। उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पों की तथा राष्ट्रीय एकता, अखण्डता व सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के प्रयासों की सराहना की।

**पानी अमूल्य है पानी बचत के बारे में पूर्ण जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है।**  
-डॉ. रामचन्द्र अणगासरिया  
www.myjhunjunu.com/water

"क्या हम आने वाले 50 साल वैसे ही गुज़ारना चाहते हैं जैसे पिछले पचास साल गुज़रे थे?" कुछ करने की भी कीमत चुकानी पड़ती है और कुछ न करने की भी चुकानी पड़ती है फैंसला आपका है।" अगर हम समाधान का हिस्सा नहीं है तो हम ही समस्या हैं।" शिव खेडा

## एसएमएल कॉलेज में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम



माई झुंझुनू। सेठ मोतीलाल महाविद्यालय में दो दिवसीय शैक्षणिक प्रदर्शनी के अंतिम दिवस पर मुख्य अतिथि वी के गौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, झुंझुनू की उपस्थिति में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें जिले के विभिन्न कॉलेजों व स्कूलों के बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। गौड़ ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत करते हुए बताया कि जिज्ञासा मनुष्य को सदैव प्रगति के पथ पर ले जाती है तथा जिस व्यक्ति में जिज्ञासा की भावना नहीं होती व मृत समान है। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी में सुक्ष्म अवलोकन किया और प्रदर्शनी में प्रदर्शित चार्ट व मॉडलों को खूब सरगहा। इस

अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वी के शर्मा, उप प्राचार्य डॉ आर के कटेवा, समन्वयक डॉ. नोन्द्र कुमार भी थे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कुल तीस पुरस्कार वितरित किये। प्रदर्शनी के संयोजक डॉ. अतुल गंग ने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान मॉडल प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता व चार्ट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के कक्षा 12 के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह पर पुरस्कृत किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रतियोगिता में पांच पांच सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

## नगरपालिका ने लगाया चिकित्सा शिविर

माई झुंझुनू। नगरपालिका मण्डल झुंझुनू द्वारा स्वर्ण जयन्ती रोजगार योजना में मोहल्ला नायकान के सामुदायिक भवन में बुधवार को चिकित्सा शिविर में बीडोंके अस्पताल के चिकित्सक सुभाष चन्द्र चौहान ने 105 रोगियों के स्वास्थ्य की जांच कर निःशुल्क दवाइयां दी। इस अवसर पर लगे जन चेतना शिविर में नगरपालिका आयुक्त राजेन्द्र जोशी ने बीपीएल परिवार व कमजोर वर्ग के परिवारों को ज्यदा से ज्यदा लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर पालिका सांख्यिकी सहायक वशिष्ठ कुमार शर्मा ने बालिका समृद्धि योजना, स्वयं सहायता समूह आदि की जानकारी दी।

## पंडित झाबरमल्ल शर्मा की २५वीं पुण्यतिथि

माई झुंझुनू। पत्रकारिता के पुरोधा पंडित झाबरमल्ल शर्मा खेतड़ी की २५वीं पुण्यतिथि जसरापुर स्थित उनके स्मारक स्थल पर समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक दाताराम गुर्जर ने कहा कि पंडितजी के अथक प्रयासों का परिणाम है कि आज खेतड़ी का नाम विश्व के मानचित्र पर है। विशिष्ट अतिथि उपखण्ड अधिकारी दाताराम ने कहा कि पंडितजी ने आजादी की लड़ाई में कलम से विशेष सहयोग दिया, युवाओं को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

समारोह को योगेश पाण्डे, गोविन्दराम हरितवाल, केदार खोंची सहित कई वक्ताओं ने सम्बोधित किया। समारोह को अध्यक्षता रामकृष्ण मिशन के स्वामी योग्ययुक्तानन्द महाराज ने की। अन्य विशिष्ट अतिथियों में पुलिस उप अधीक्षक राकेश काठवाल, अधीक्षक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जीतसिंह यादव, नायब तहसीलदार जनकसिंह चौहान, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष गोविन्दराम हरितवाल, ओकारमनल गुप्ता व डॉ. विजयपाल सुनिया आदि उपस्थित थे। समारोह का संचालन गोपालकृष्ण शर्मा ने किया। समारोह का शुभारम्भ पंडितजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

## एनसीसी कैडेट्स ने फायरिंग रेंज का डेमो दिया

माई झुंझुनू। खेमी शक्ति मंदिर में ११ जनवरी से चल रहे एनसीसी कैडेट्स के दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को जिला कलक्टर दिनेश कुमार के मुख्य आतिथ्य में दुश्मन पर किस तरह फतह की जाए का डेमो दिया गया। लैफ्टिनेंट कर्नल रणवीरसिंह (शौर्य चक्र) एवं सुबेदार अजमतसिंह के नेतृत्व में इसके बारे में सिखाया गया। सुबह सेना में अनुशासन, फायरिंग एवं तकनीकी के बारे में सिखाया गया। दुश्मन ने अटैक कर दिया है। सभी अपना मोर्चा संभाल लो। अलर्ट अटैक फायर। चारों ओर गोलियों की आवाजें, धुआं और सांय सांय करती हवा। कुछ ऐसा ही नजारा था फायरिंग रेंज में। एनसीसी अधिकारी एलसी शर्मा ने बताया कि शाम को कैडेट्स को मनोरंजन करवाने के लिए गैम्स हुए।

## गरीब बच्चों को पतंग बांटे

माई झुंझुनू। युवा विकास मंच नवलगढ़ की ओर से सोमवार को क्षेत्र में जरूरतमंद व गरीब बच्चों को करीब दस हजार से अधिक पतंग बांटे गए। मंच के संरक्षक डा. राजकुमार शर्मा ने सूर्यमंडल प्रांगण से पतंग बांटे हुए कहा कि कुछ बच्चे पतंग उड़ाए और कुछ पतंगों के लिए गली-मोहल्ले में दौड़ते रहते हैं, जिससे उनमें बचपन से हीन भावना घर कर जाती है। इसलिए ऐसे बच्चों को पतंग बांटे जा रहे हैं। बाद में उनके नेतृत्व में मंच के कैलाश जांगिड़, मामसिंह कैरू, निर्मल झुंझुनूवाला इत्यादि की टोलियों ने क्षेत्र के गांव-गांव व ढाणी-ढाणी में घूमकर पतंग लट्टने के लिए दौड़ लगाने वाले बच्चों को पतंग बांटे।

## न्यू राजस्थान पीजी कालेज का सातवां वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह

माई झुंझुनू। अणगासर रोड स्थित न्यू राजस्थान पीजी कालेज में कालेज के सातवें वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह में कालेज की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम पेश कर मन मोह लिया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रो. मोहनसिंह पुनिया थे। अध्यक्षता प्रिया परिवार के निदेशक तेजपालसिंह नूनिया ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. पुनिया ने शिक्षित व संस्कारित नारी को राष्ट्र व समाज के विकास की धुरी बताते हुए छात्राओं से कहा कि पढ़ाई के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें। संस्था के अध्यक्ष रामेश्वरलाल वर्मा, न्यू राजस्थान ने स्वागत भाषण में कालेज की विकास

## एसएमएल कॉलेज में वाद विवाद प्रतियोगिता

माई झुंझुनू। सेठ मोतीलाल महाविद्यालय में राज्य स्तरीय अन्तर्महाविद्यालय मोदी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें वाद विवाद का विषय भूण हत्या के लिए स्त्री वर्ग समान रूप से उत्तरदायी है था। सभी प्रतियोगियों ने इस विषय पर पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रखे। वाद विवाद में प्रथम स्थान सेठ मोतीलाल पीजी महाविद्यालय के छात्र जितेन्द्र चौधरी ने प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान पर खेहलता चौधरी, रामादेवी महाविद्यालय, युआं व तृतीय स्थान अजित सिंह चारण, लोहिया महाविद्यालय, चुरू ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों के महाविद्यालयों से कुल 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सेठ मोतीलाल चल वैजयन्ती ट्राफी को नहीं रख सकता इसलिए यह ट्राफी द्वितीय स्थान पर रहने वाले राजकीय मोररका महाविद्यालय, झुंझुनू को प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम में निर्णायकों के रूप में डॉ. लक्ष्मीकान्त शर्मा, श्रीमती रनेहलता शेखावत उपस्थित थे।

## न्यू राजस्थान पीजी कालेज का सातवां वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह

माई झुंझुनू। अणगासर रोड स्थित न्यू राजस्थान पीजी कालेज में कालेज के सातवें वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह में कालेज की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम पेश कर मन मोह लिया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रो. मोहनसिंह पुनिया थे। अध्यक्षता प्रिया परिवार के निदेशक तेजपालसिंह नूनिया ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. पुनिया ने शिक्षित व संस्कारित नारी को राष्ट्र व समाज के विकास की धुरी बताते हुए छात्राओं से कहा कि पढ़ाई के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें। संस्था के अध्यक्ष रामेश्वरलाल वर्मा, न्यू राजस्थान ने स्वागत भाषण में कालेज की विकास

## भ्रूणहत्या जागरूकता रैली निकाली

खेमीशक्ति मंदिर में चल रहे एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में शामिल कैडेट्सों ने मंगलवार को शहर में भ्रूणहत्या जागरूकता रैली निकाली। ले.कर्मल रणवीरसिंह (शौर्यचक्र) के नेतृत्व में रैली में शामिल कैडेट्सों ने भ्रूण हत्या से सम्बन्धित श्लोगन लिखी पट्टियों को हाथों में लेकर लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। रैली गांधी चौक से शहीद स्मारक तक निकाली गई। एनसीसी के कई अधिकारियों ने भी रैली के साथ कदम मिलाए।

इसी दिन कैडेट्सों ने क्वार्टर गार्ड का अभ्यास तथा बंकर का दुश्मनों से बचाने का सैन्य अधिकारियों से हुनर भी सीखा। इस दौरान कैडेट्सों को कई अभ्यास कराए गए। शाम चार बजे कमाण्डेण्ड व अतिरिक्त एनसीसी की टीम के बीच बॉलीबाल का मैत्री मेच खेला गया तथा कैडेट्सों ने पतंगबाजी का लुप्त लिया। शाम को कैडेट्स को जलेबी बांटी गई।

## श्री श्याममंदिर में पोष बड़ा का हुआ आयोजन

माई झुंझुनू। राणी सती रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर में पोष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में पूर्व सांयकाल रामायण पाठ व भजन कीर्तन हुए। इस अवसर पर भरत कुमार तुलस्यान, विनोद सिंघानिया, एडवोकेट दिनेश चन्द्र अग्रवाल, संजय शर्मा, श्री गोपाल हलवाई, प्रदीप पाटोदिया, नेमीचन्द जैन, राकेश जालान सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

### अधिकार और कर्तव्य

सूर्य सम तेजस्विता राखे, धरती सम सहनशक्ति राखे, सदगुरु मिलन सरिता होय भागे, माता-पिता के चरण अनुपगे।

सागर सम गम्भीरता मन राखे, अम्बर सम विशाल मन राखे, पर्वत सम हृदय में धैर्यता राखे, पावक सम ओजस्विता राखे। चन्द्र सम व्यवहार शीतलता धारे, वृक्ष सम निरहंकारिता धारे, पवन सम कर्म कृतज्ञता धारे, वर्षा सम सर्वत्र परोपकारिता धारे। दुःखी जन मानस के मध्य बहाओ, मधुर स्नेह सलिल धारा, हटाओ तम आत्म सौंदर्य का, करो आध्यात्म ज्ञान उजियारा।

नोट:- प्रत्येक प्रतिभाओं की अपनी अपनी सुगन्ध होती है और प्रत्येक जगह प्रतिभाशाली मानव की ही पहचान होती है। अतः अपनी समस्त सम्भावनाओं का यथासम्भव चरितार्थ कर देना ही सभी के अस्तित्व का हेतु एवं प्रयोजन हो। व्यापक दृष्टिकोण रखकर संकीर्ण मानसिकता छोड़ें।

**नन्दलाल तुलस्यान मुम्बई प्रवासी**